LOK SABHA

Saturday, August 30, 1969/Bhadra 8, 1891 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

BUSINESS OF THE HOUSE

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : अध्यक्ष महोदय, मेरा कार्य सूची के बारे में व्यवस्था का प्रश्न है । पिछले अधिवेशन में आप उस आसन पर नहीं थे । तब जो मेरा प्रस्ताव है नक्सलाइट के सम्बन्ध में, वह आया था । जो बाहर के पैसे से तोड़ फोड़ की कार्यवाईयां हो रही हैं, उनके सम्बन्ध में मेरा प्रस्ताव आया था । तब इस प्रस्ताव को इस अधिवेशन के लिये स्थगित कर दिया गया था । इस अधिवेशन में हर शुक्रवार को मैं याद दिलाता रहा हूं । मुझे बताया जाता रहा है कि इसको जरूर लिया जाएगा । कल की जो कार्य सूची थी जो कि आपके कार्यालय ने छापी थी उसमें यह था कि सरकारी बिल समाप्त होने के बाद सब से पहला आइटम वह था कि तोड़ फोड़ की कार्रवाइयां जो विदेशों से प्राप्त होने वाले हथियारों और पैसे से चल रही हैं उन पर विचार किया जाए । लेकिन आज की जो कार्य सूची है इसमें बाढ़ और चीनी के नीचे यह आइटम दब गई है और सब से निचला आइटम इसको कर दिया गया है । अगर आप इसको इतना महत्वहीन समझते हैं कि इस पर विचार नहीं करना है तब तो आपको इसको लिस्ट में नहीं लाना चाहिये । आपके कार्यालय ने कल एक लिस्ट छापी और आज दूसरी ही छाप दी । ऐसा अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि आपके कार्यालय में कुछ इस प्रकार के नक्सलाइट घुस गए हैं लेकिन हां, सरकार में जरूर हो सकते हैं जिस की वजह से उस पर प्रेशर पड़ता है । मैं यह जानना चहता हूं कि यह परिवर्तन किस के माध्यम से हुआ है ? इस को इस तरह से क्यों पिछाड़ दिया गया है जब कि कल की कार्य सूची में यह पहले छापी गई थी ।

अध्यक्ष महोदय : वहां से ऐसा ही आया है ।

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि कल जब हम आपके कमरे में आपसे मिले थे तो हर एक भाई यह चाहता था कि क्योंकि शूगर पालिसी सरकार डिसाइड कर रही है, इसलिए हम चाहते हैं कि किसी तरह से आज इस पर डिसकशन हो जाए ताकि मेम्बरों के जो विचार हैं, उनसे सरकार अवगत हो सके । शास्त्री जी का कहना है कि शूगर के बजाय वह चीज पहले आ जाए । मैं कहना चाहता हूं कि जितनी आइटम्ज हैं उन सब पर बहस हो जानी चाहिए । बाढ़ पर और शूगर केन पर बहस हो जाए, उसके बाद इसको लिया जा सकता है । इसको भी जरूर लिया जाना चाहिये । समय अगर हो तो जरूर लिया जाए । क्योंकि शूगर के बारे में पालिसी की एनाउंसमेंट होनी थी इस वास्ते हम चाहते थे कि इस पर पहले बहस हो जाए ।

अध्यक्ष महोदय : कल जब हम इकट्ठे हुए थे तब इस पर विचार हुआ था । मिनिस्टर आफ पार्लियामेंटरी एफेयर्ज भी उसमें उपस्थित थे । मैं कोशिश करूंगा कि

सभी डिसकशन हो जाय । हाउस को थोड़ा सा एक्सटेंड भी किया जा सकता है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : इस बात का निश्चित रूप से आश्वासन मिलना चाहिए कि इस विषय पर आज डिसकशन होगी । कल यह पहले नम्बर पर था और आज इसको उठा कर सब से आखिर में रख दिया गया है । मैं जानना चाहता हूं कि किसकी वजह से यह हुआ है । आपके कार्यालय ने निर्णय लिया है या सरकार ने निर्णय लिया है । निर्णय लेने वाला कौन है ?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAGHU RAMAIAH): Sir, the whole difficulty was about appropriation of time. I can assure the hon. member that we are most anxious to get on with this. It is only because of the urgency of the flood resolution that it was put higher up. May I assure the hon. member, with your permission, that we shall include it in the programme for the first week of the next session?

Today's agenda is fairly long and it may not be possible to cover all the items. May I suggest that we finish the Banaras Hindu University Bill by lunch time and take up the Bihar resolution immediately after lunch? Then we can take up the three Bills for reference to the Joint Committees. I have spoken to hon. members opposite and they have agreed that they may be referred without discussion. Then we may take up the resolution on floods.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : एक और आश्वासन मंत्री महोदय दे दें । उन्होंने कहा है कि अगले अधिवेशन में पहले सप्ताह के अन्दर इसको ले लिया जाएगा । यह भी आश्वासन दे दें कि अगले अधिवेशन तक पार्लियामेंट की यही स्थिति रहेगी । इसका भी आश्वासन दे दें ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : और गड़बड़ होगी ।

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : कांग्रेस ज्यादा मजबूत हो गई है, दुगुनी मजबूत हो गई है । स्थिति बिल्कुल ठीक रहेगी ।

11.08 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

AUDIT REPORT AND ACCOUNTS OF THE NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R.V. RAO): Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Audit Report on the accounts of the National Council of Educational Research and Training for the year 1966-67. [*Placed in Library. See* No. LT-1922/69].

ANNUAL REPORT OF HINDUSTAN ZINC LIMITED, UDAIPUR AND ITS REVIEW BY GOVERNMENT

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (SHRI JAGANATH RAO): I beg to lay on the Table:

(1) A copy each of the following papers under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956:—

(i) Review by the Government on the working of the Hindustan Zinc Limited, Udaipur, for the period from 10th January, 1966 to 31st March, 1967.

(ii) Annual Report of the Hindustan Zinc Limited, Udaipur for the period 10th January, 1966 to 31st March, 1967 along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon.

(2) A statement showing reasons for delay in laying the above papers.

[*Placed in Library. See* No. LT-1923/69].